

वारानिधि पुं. (तत्.) समुद्र, वह स्थल जहाँ नदियाँ जाकर मिलती हैं।

वारा-न्यारा पुं. (तत्.) 1. फैसला, निपटारा, इधर से उधर होने या करने का निर्णय मुहा. 2. वारा-न्यारा होना- विनाश होना, निर्णय होना, सर्वनाश करना, वारे न्यारे करना-अत्यंत लाभ कमाना, होना।

वारा-पार पुं. (तत्.) 1. नदी आदि का यह अथवा वह किनारा 2. अंतिम सीमा।

वारा-फेरा पुं. (देश.) 1. न्योछावर की गई वस्तु, धन 2. न्योछावर करने की रस्म, रीति, क्रिया 3. विवाह आदि अनुष्ठानों में न्योछावर करने की रीति, रस्म।

वाराह वि. (तत्.) शूकर संबंधी, सुअर का पुं. 1. वराह, शूकर, सुअर 2. विष्णु का अवतार, वराह अवतार 3. बैत, जो कि जल समूह के निकट पैदा होता है 4. दस हजार श्लोक वाला एक पुराण।

वाराही स्त्री. 1. शूकरी, सुअरी 2. आठ मातृकाओं में से एक मातृका 3. वराहरूपधारी विष्णु की शक्ति, एक देवी विशेष।

वाराहीकंद पुं. (तत्.) एक महाकंद, गेंठी।

वारिगर्भ पुं. मेघ, बादल।

वारिचर पुं. (तत्.) 1. पानी में रहने वाला प्राणी, जलचर 2. मत्स्य, मीन 3. शंख।

वारिज/वारिजात वि. (तत्.) 1. जल में उत्पन्न पुं. 1. कमल 2. शंख 3. घोंघा।

वारित वि. (तत्.) जिसका निवारण किया गया हो, रोका हुआ, मना किया हुआ, छिपाया गया, ढका हुआ।

वारिद¹ वि. (तत्.) 1. जल देने वाला 2. पुं. मेघ, बादल।

वारिद² वि. (तत्.) उतरने वाला, आने वाला, पहुँचने वाला।

वारिदाभ वि. (तत्.) 1. बादल की तरह चमकने वाला पुं. बादल जैसी कांति।

वारिधर पुं. (तत्.) 1. मेघ, बादल 2. एक समवर्णिक छंद जिसके प्रत्येक चरण में रगण, नगण और दो मगण (र, न, म, म) के योग से 12 वर्ण होते हैं।

वारिधि पुं. (तत्.) समुद्र, सागर।

वारिनाथ पुं. (तत्.) 1. समुद्र, सागर 2. वरुण (देव)।

वारिपथ पुं. (तत्.) जलमार्ग।

वारियंत्र पुं. (तत्.) 1. फौवारा 2. पानी खींचने का यंत्र, रहट।

वारियाँ स्त्री. (तत्.) 1. निछावर, बलि।

वारिराशि पुं. (तत्.) 1. जल-समूह 2. समुद्र, तालाब।

वारिरुह पुं. (तत्.) कमल।

वारिवर्त पुं. (तत्.) एक मेघ।

वारिवाह/वारिवाहन् पुं. (तत्.) 1. मेघ, बादल वि. जल ले जाने वाला वाहन।

वारिस पुं. (अर.) 1. उत्तराधिकारी, मालिक 2. खोज-खबर लेने या रखने वाला 3. किसी मृतस्वजन की संपत्ति का अधिकार प्राप्त करने वाला।

वारींद्र पुं. (तत्.) समुद्र।

वारी¹ स्त्री. (तत्.) 1. हाथी को बाँधने वाली जंजीर 2. छोटा घड़ा, गगरी, मटकी। ब्रज भाषा में 'वाली' शब्द के स्थान पर प्रयुक्त होने वाला शब्द 'वारी'।

वारी² अ.क्रि. (तत्.) न्योछावर हुई, बलिहारी।

वारी पुं. (तत्.) 1. जल, पानी 2. द्रव पदार्थ 3. जल रखने का भाजन स्त्री. 1. सरस्वती 2. हाथी बाँधने की रस्सी, जंजीर आदि 3. हाथी फँसाने का फंदा या गड़ढा 4. हाथी बाँधने का स्थान।

वारीफेरी स्त्री. (देश.) दे. वारफेर।

वारीश पुं. (तत्.) 1. समुद्र, सागर 2. वरुण (देवता)।